प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में देश का 73वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

पंतनगर। 16 अगस्त, 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय में देश का 73वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति, डा. तेज प्रताप, ने प्रातः 9:00 बजे गांधी मैदान में तिरंगा फहराया तथा उपस्थित शिक्षकों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को देश की सेवा के लिए संकल्प दिलाया। उन्होंने असख्यं शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को याद किया, जिनके बलिदानों की नींव पर हमारा भारत स्वतंत्र रूप से खड़ा है।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में डा. तेज प्रताप ने स्वतंत्रता के बाद वर्ष 1960 में पंतनगर विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से देश की खाद्य समस्या को हल करने में पंतनगर विश्वविद्यालय के सहयोग से हुई हरित क्रांति का विशेष योगदान बताया। साथ ही उन्होंने यहां से निकले 38,000 से अधिक स्नातको का कृषि में मानव संसाधन विकास में तथा यहां से उत्पादित बीजों का कृषि उत्पादन में वृद्धि करने में महत्पवूर्ण योगदान का भी जिक्र किया। पंतनगर विश्वविद्यालय को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की देश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों की रैंकिंग में प्रथम स्थान मिलने तथा देश के सभी विश्वविद्यालयों में 38वां स्थान मिलने के बारे में बताते हुए उन्होंने अब विश्वविद्यालय के समक्ष उपस्थित चुनौतियों के बारे में भी बताया। डा. प्रताप ने कहा कि विश्वविद्यालय के सभी कार्मिकों के आगे प्रत्येक स्तर पर, विश्वविद्यालय की गुणवत्ता सुधार कर देश के सभी कृषि संस्थानों में प्रथम स्थान पर आने की चुनौती है, ताकि भविष्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अन्तर्गत केन्द्र से मिलने वाले 250 से 500 करोड़ के अनुदान के हकदार हो सकें साथ ही भविष्य में स्वायन्तशासी संस्थान के रूप में खड़े हो सकें। उन्होंने उत्तराखण्ड के गावों से हो रहे पलायन को रोकने के लिए वहां के कृषकों को कृषि के आधार को मजबुत करने हेतु तकनीकों एवं उद्यमिता की चुनौती को भी वैज्ञानिकों द्वारा स्वीकारने को कहा, ताकि पलायन रोकने में सरकार के प्रयासों में सहभागिता हेतु विश्वविद्यालय की भूमिका की सराहना सर्वत्र हो।

डा. तेज प्रताप ने हाल ही में विश्व बैंक से संस्थान विकास परियोजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय को प्राप्त परियोजना के बारे में भी बताया, जिसमें ३० करोड़ रूपया विश्वविद्यालय को मिलेगा। इसमें से 5 करोड़ रूपया सरकार द्वारा दिया जाएगा। इस परियोजना में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व संकाय सदस्यों की क्षमता विकास हेतु उन्हें विदेशों में प्रशिक्षण व भ्रमण हेतु भेजा जाएगा। कुलपति ने देश में अगले 25 वर्षों के दौरान कृषि के क्षेत्र में बदलाव लाने के लिए पंतनगर को लीड केन्द्र के रूप में स्थापित करने की बात कही।

अपने सम्बोधन में डा. तेज प्रताप ने सभी इकाईयों की उपलब्धियों पर उन्हें बधाई दी तथा कहा कि विश्वविद्यालय के सभी कार्मिक अपने पूर्ण सामर्थ्य के साथ विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने अपने भाषण का समापन तीन बार 'जय हिन्द' के नारे के साथ किया, जिसको उपस्थित जनों ने पूरे उत्साह के साथ दोहराया।

पंतनगर विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं अन्य को सम्बोधित करते कुलपति, डा. तेज प्रताप।